

- लगा-हू-फैन → हांकांग का एक पकवान (सांप के मांस से बनता है)
- ②- टैपिकोआ → केरल में जमीन के नीचे उगाया जाने वाला फल/सब्जी है।
- ③- लुई बेल → बेल सिंधी के आविष्कारकर्ता (फ्रांस)
→ बेल सिंधी 6 बिंदुओं पर आधारित
- ④ → धरो की संरचना → असम में बांस के खंभों पर टिके हुए (10-12 फुट)
→ मनाली (H.P.) - पत्थर/लकड़ी के बने घर होते हैं।
→ राजस्थान में - मोटी दीवार (मिट्टी) व दृढ़ कटीली झाड़ियों से बनते हैं।
- ⑤- J & K में चाय को 'कहवा' कहा जाता है। (बादायन भी मधुपर्क)
- ⑥- वल्लभ - एक प्रकार की होती नाव (लकड़ी की) / केरल में चलती है।
- ⑦- हाथी - सबसे बड़ी हाथिनी, झुंड (Herd) की मुखिया होती है।
→ एक दिन में 100 kg तक पानी/झाड़ी खा लेता है।
→ कीचड़ उन्हें ठंडा रखता है।
→ काम पंखे का काम करते हैं।
- एक दिन में 2-4 घंटे सोता है।
→ झुंड में केवल हाथिनियाँ व उनके बच्चे होते हैं Male नहीं।
→ वे 14-15 वर्ष के बाद अलग हो जाते हैं।
- ⑧- 'खेजड़ी का पेड़' → खेजली गांव (राजस्थान) → विश्वनोई लोग
→ 300 साल पहले की बात है → यहां शिका व पेड़ काटने पर प्रतिबंध,
→ खेजड़ी का पेड़, रेगिस्तान में / कम पानी में उगता है।
→ इसकी छाल से दवाइयां बनती हैं / लकड़ी में कीड़ा नहीं
→ पेड़ की फलियों की सब्जी भी बनती है।

9. चींटियों की दुनियां :- सभी चींटियों का काम बंटा होता है।

- रानी चींटी - अंडे देती है,
- सिपाही " - बिल का हवाब रखती है।
- मजदूर " - भोजन ढूँढकर लाने का काम करती है।

(दीमक, मधुमक्खी व तर्तैया भी इसी तरह कार्य करते हैं।)

10. मधुमक्खियाँ → हर एक हस्ते में एक रानी मधुमक्खी जो अंडे देती। केवल कुछ ही male मधुमक्खी होते हैं, जो Oct - December का काम नहीं करते।
अंडे देने का समय -
अतः, मधुमक्खी पालन का उपयुक्त समय है।
अधिकतर, मक्खी, working होते हैं।

11. गोवा से कर्नाट (रेलमार्ग) → 92 सुरंगें और 2000 पुल हैं।

12. मलयालम भाषा - वलियम्मा - मां की बड़ी बहन
- अम्मूमा - नानी को कहते हैं।
- चिदम्पन - चाचा / कुलम्मा - चाची

13. गांधी धाम (कुच्छ) - अहमदाबाद
वल्हसाड → GJ.
कोजीकोड → केरल →
छात्र - दोकला, चेटनी, lemon चावल, मिठा
दक्षिण भारत का एक शहर, मांगलोर तट पर,
कलिकाट
कोटारायम भी तमिल

14. कर्णजम मल्लेश्वरी :- वेट लिफ्टर (आंच प्रेस से) [Telangana]
→ (father - police constable है)
→ जब 12 वर्ष की थी, तब सेवन किया।
→ 130 kg. weight
→ इनकी 4 सिस्टर्स भी weight lifting करती हैं।
→ भारत के बाहर - 29 मडल जीत चुकीं।

15. फूल -
कैचनार के फूल (U.P.)
केले के फूल (केरल)
सहजब " " (MH.) } सबकी बनायी जाती हैं।

(गुलदावरी / जीनिया के फूलों से लपटे रंगने का रंग बनता है।)
(mango) zania

- फेरिंग में, मानव, जानवर, पेड़, पड़ी, महुली, फूल आदि (2) दिखाये जाते हैं।

धुबनी (फेरिंग) - महुली जिला बिहार

- घर की दीवारों पर चित्रकारी
- चावल के आटे से चित्रकारी (चटक रंग) - में रंग गिलाकर
- फूलों व पत्तियों से रंग प्राप्त, हल्दी आदि

(16) - U.P. (कन्नौज) इत्र के लिए मशहूर

(18) - मिर्झा में गोबर गिलाकर जमीन में लीपने से - कीड़े नहीं लगते।

(19) - नीम व कीकर की लकड़ी पर दीपक नहीं लगता।

(20) - गाजीपान - Pakistan
साहना गांव - Haryana
तैलवतिका गांव - Karnataka
हिलागुडी (बच्चों की पंचायत - श्रीमा सिंह)

नल्लामडा	- (A.P.)
बाजार गांव	- (MH.)
कफपरड	- (MH.)
मुल्तापुर	- A.P. - पोचमपल्ली जिला

(21) - गीजू भाई वधोका → लेखक (गुजरात)

→ बच्चों के स्तर की मजेदार कहानी व पत्र लिखते हैं।

→ केवल कड़ों को टक्के देकर बुगोश करते हैं।

(22) - पक्षी :- कलाचिड़ी (Indian Robin) → पत्थरों के बीच होंसला (बास से)
(अपने टहनियां, जोड़े, अंग, बाल, रुई, बिछा होता है)।

कौवा :- होंसले में लोहे के तार, लकड़ी की शाखा।

कोथल, कोंब के होंसले में अंडे देता है।

फाख्ता :- कैबटस के कांटों के बीच/मैल्ली की मेढ़ में होंसला बनाती है।

गौरैया :- कहीं भी (अगामी, दंत, आइने के पीछे)
कबूतर भी।

बसंत गौरी :- पेड़ के तने में देह बनाकर, अंडे रखती है।

दर्जिन चिड़िया :- पत्तों को लीकर, अंडे देने हेतु पत्र लेंया करती है।

शबकर खोरा :- फेंड/झड़ी पर लटकता होंसला (बाल, रुई, दाल, कपड़े आदि से लेंया)

वीवर पक्षी :- नर वीवर, अपने होंसले बनाते हैं।

मादा नर, अबु देने हेतु, सही होंसले का चुनाव करती है।

अंडा :-

(23) जाय :- आगे के दांत दाढ़े (बुकीले) - काटने के लिए
पीछे के दांत चपटे - चबाने के लिए

बिल्ली/कुत्ता - बुकीले दांत, मांस काटने के काम

सांप :- के दांत बुकीले / परंतु चबाता नहीं है / निगलता है।

गिलहरी :- के दांत हमेशा बढ़ते रहते हैं।

(24) A.P. का पांचमपल्ली जिला (मुख्यपुर गांव)

- जिले में अधिकतर बुनकर परिवार रहते हैं। - खिलौने व हथुआ भी

- बुनकरों की ही "पांचमपल्ली" बोला जाता है।

→ कुण्ड - गोल → मधुबनी पेंटिंग → असम - रेखा → कशीरी - कढ़ई

(25) चीली :- सुंकर एक दूसरे के पीछे चलती है।

✓ मुकुर - पैरों की गंध व शरीर की गंध से हमें सूंघते हैं।

✓ सांप - बाहरी काम नहीं होते / जमीनी कंपन से सु महसूस करते हैं।

रेखा का कीड़ा - कई km. दूर से भी, गंध से female कीड़े को ढूँढ लेता है।

वाघ :- अंधेरे में सबसे 6 गुना अधिक देख सकता है।

(Tiger) - हवा के कंपन से मूँहों द्वारा श्रांपना।

- धुंधला 3 km. तक सुना जा सकता है।

- सुगंध भी तब पत्तियों के फड़फड़ाने व जानवर के चलने की आवाज से अलग कर लेते हैं।

→ जानवर (हर चीज को सफेद व काले रंग में देखते हैं।)

→ हलाय → आन्ध्र जैसा जीव / पेड़ पर उल्टा लटककर सोता है (नक्छे)
- उली पेड़ के पत्ते खा लेते हैं।

- पत्तियां खत्म हो जाने पर दूसरे पेड़ पर

- 40 वर्ष के जीवन में - 8 पेड़ों पर घूम पाते हैं (5 साल - 1 पेड़)

- हमें में एक बार, जमीन पर आता है। (बहुत आलसी होते हैं)।

UK (Nainital) - जिम कार्नेट] National park, शिकार करना मना है
 Raj (Bharatpur) - बाघ

(27) - सपेरो की एक जाति → "कालबेलिया"

(28) - नाग गुफन - रंगोली (सौराष्ट्र, गुजरात व द. भारत में प्रयोग की जाती है)

(29) - भारत में पाये जाने वाले सभी साँपों में 4 प्रकार की जहरीले होते हैं -

- ① → नाग ② → कर्कट ③ → दुवोईया ④ → अफाई
- साँप के 2 दाँत, इन्हीं के दाँस जहाँ शरीर में जाता है।
- साँप के जहर के असर को कम करने हेतु, "सीरम" दवा दी जाती है, जो, साँप के जहर से ही बनती है।

(30) - नीपेन्थिस पौधा → ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, भारत के मैदानी इलाकों में।
 (पिचर plant) (छाया पौधा)

- special smell, जो insects को attract करती है
- कीड़े मकौड़े व छोटे जीवों का शिकार।
- जेबल चूहे भी
- Clever plant

(31) - वेल्को → स्विट्जरलैंड के जॉर्ज मेस्ट्रल द्वारा निर्मित। (1948 में)
 (कापड़ों, जूतों, बैग आदि में प्रयोग किया जाता है।)
 → बीनों पर बने होट्टेक्स (Hottex) की लपेटों पर लगाने के कारण निकाला

(32) - श्रीमिर्ची - पुर्तगाल के व्यापारी, द. अमेरिका से भारत लाये।
 (लगातर, आलू, भी)

- कौफी, चिन्नी - अफ्रीका से
- बब गोबी/भटर - यूरोप से
- सोयबीन - चीन से आयी

(33) - अल गिरुनी - उज्बेकिस्तान से भारत आया था। (1993 को 1980 वर्ष)
 (गाम्भीर उज्बेक वीर)

(34) - 'बड़सीसर तालाब' - जैसलमेर के राजा 'बड़सी' ने बनवाया था।

34 - मृत सागर :- दुनिया का सबसे जमेका सागर ।
एक लीटर में (300 gm. नमक)

→ आर्कटिक Density के कारण, उसमें डूबते नहीं हैं।
35 - सिचवोना - पेड़की दान से मकरिया की दवाई बनायी जाती है।
अनीमिया - हिमोग्लोबिन / कायान की कमी से होता है।
उपाय - गुड़, आंवला, हरी पत्तेदार सब्जी।

शेनालो रोस - भारतीय मूल के
- बताया कि मकरिया मच्छर से फैलता है।

36 - मिजोरम - 'मिजो' भाषा

37 - रैप्लिंग - पहाड़ से उतरना

38 - हिमालय (माउंट एवरेस्ट) पर चढ़ने वाली पहली महिला -
"बेव्ही पाल" - संसार की 5th महिला।

- गढ़वाल के जाकुपी गांव की रहने वाली हैं।

- 23 मई 1984 के दिन 1 बजेकर 7 मिनट पर
चढ़ी थी। (ऊँचाई - 8900 NCERT).

- माउंट एवरेस्ट का नेपाली में नाम - "सागरमथा"

39 - गोलकोंडा का किला - 1518 से 1687 तक / कुतुबशाही सुल्तानों
ने शान किया।

40 - नील आर्मस्ट्रांग - चांद पर पहुँचने वाले पहले व्यक्ति (1969)

41 - मुंबई - दिल्ली - 1400 km की दूरी।

कै० - मच्छाऊ-लेह में - पल्ली/मिचकी मंजिल पर खिड़ी नहीं होती है।
 - दंत बनाने के लिए वेडों के मोटे तने इस्तेमाल किए जाते हैं।

कै० - पशमीना ऑल - 6 स्टेयर्स के बराबर गर्मी होती है।
 - एक पहाड़ी बकरी की खल नस्ल के बालों से बनती है।
 जो लगभग 5000 mt. की ऊँचाई तक रह सकती है।
 - एक ऑल बनाने में 250 घंटे लगते हैं।
 इसीलिए बहुत महंगे
 - बकरी का 8 बाल / तंगारे 1 बाल के बराबर।

कै० - जमीन उपयोग : जड़ों से, पत्तों से, शूला सड़ने से / कंचुकों से
 - कंचुका जमीन में देव बनाते रहते हैं; जिससे जमीन
 ढोली हो जाती है।

कै० - श्रूंग खेती : खाली बौझा

कै० - "चराओ" मृत्यु, मिजोरम में होता है, / फलकटने पर

कै० - ग्रेगर जॉन मेडल : ऑस्ट्रिया / जन्म - 1882
 मटर के बीजों में अनुवांशिकता की खोज (जोड़ी में)

स्कूल जाने हेतु जंगल-2 राज्यों में प्रयोग किए जाने वाले माध्यम

- ① - वांस/सै रस्सी बना पुल - असम में (अत्यधिक बारिश के कारण)।
- ② - ट्रॉली - लद्दाख में (चौड़ी बाँधी व गहरी नदी/छाई को पार करने हेतु)।
- ③ - सीमेंट का पुल - लांग्गन मैदानी क्षेत्रों में / पहाड़ों में।
- ④ - वल्लभ - केरल (लकड़ी की बनी छोटी नाव)।
- ⑤ - ऊँट-गाड़ी - राजस्थान
- ⑥ - बैलगाड़ी - मैदानी क्षेत्रों में
- ⑦ - साइकिल - दूर दराज के स्कूल वाले क्षेत्र
- ⑧ - बर्फ पर चलक - हिमाल की पहाड़ियाँ (हाथ पकड़कर)
- ⑨ - जंगलों के रास्ते -
- ⑩ - कबड़ खाबड़ पथरीले रास्ते - इतराखण्ड

⇒ एक पक्षी की आँखें, उसके सिर पर होती हैं, और उसके कान, पंखों के नीचे छुपे होते हैं, जिनसे वह सुनता है।

→ किजार्ड (हिपकली) की भी यही विशेषताएँ हैं।

→ मगरमच्छ की भी आँखें ऐसी ही होती हैं, बिपी डुयी।

* जानवर :-

- शरीर पर बने पैटर्न, बालों के कारण होते हैं।
- बिना बालों के कोई भी पैटर्न नहीं होता है। (Lath-16)
- जिन जानवरों के कान व बाल शरीर पर हों - जन्म देते हैं।
- जिन जानवरों के कान बाहर दिखते नहीं, - अंडे देते हैं।

* भाषाये

- मलयालम - केरल ,
- कोकणी - कर्नाटक, M.H., गोवा, केरल के कुछ भाग ,
- मराठी - M.H., गोवा, दमन व दीव, दादरा & नागहवेली
- गुजराती - गुजरात
- कन्नड़ - कर्नाटक, A.P., T.N., M.H.

* ट्रेन टिकट :- ट्रेन का नंबर

- यात्रा शुरू होने की डेट व समय
- बर्थ व कोच नंबर
- Cost (किराया)
- Distance कितना है।

पेड़ →

→ बरगद :- लगे हुए branches, actually, असली जड़ें होती हैं।

→ डेजर्ट ओक :- Australia में मिलता है।

जड़ें बहुत गहरी जाती हैं, Ground water को सोखने के लिए,
जिस पानी को वने में उपर करता है।

→ "बीहू ल्योहार" → असम में मनाया जाता है। नयी चावल की कसल
के आने पर मनाते हैं।

→ 14-15th जनवरी को मनाया जाता है। या माघ के
1-2nd तिथि को।

→ बांस के द्वारा भेला घर बनाया जाता है, इस festival के
occasion पर।

→ आबु धाबी :- UAE (यूनाइटेड अरब इमीरात) → दिरहम (currency)

→ केरल के फल के पेड़ :- नारियल (Coconut), बेटलनट (Betelnut),
- पपीता, केला, जकफ्रूट (Jackfruit)

→ इरान में उगने वाला एकमात्र पेड़ → 'Date Palms' - (खजूर)

→ केरल के मसाले → तेलपत्ता, काली मिर्च, ~~काजी~~ इलाइची।

→ गरम मसाला → इलाइची + काली मिर्च + लौंग + दागचीनी +
अदरक + जीरा

* लैफ्टिनेंट कमांडर वहीदा प्रिन्स →

- भारतीय नौसेना में डॉक्टर हैं।
- सबसे पहली महिला जिन्होंने परेड की अध्यक्षता की (presiding)
- जम्मू व कश्मीर → रजौरी जिला → यन्नामडी क्षेत्र से हैं
- एक परेड में कुल 36 कमांडर्स होती हैं।

* लद्दाख में - तिब्बती भाषा को मोटी भी बोला जाता है।

Mother - aama-le
Father - qaba-le

* कुत्ते → उनका एक निश्चित क्षेत्र होता है।

- दूसरे कुत्ते की पेगाब व मल की गंध से, ~~स्वयं~~ उनके अपने क्षेत्र में प्रवेश को पहचान लेता है

* पक्षी :-

- अधिकतर पक्षियों की 2 जो आंखें उनके सर के दोनों बंदों होती हैं।

- अतः वे एक ही समय में 2 अलग-2 चीजों पर focus कर सकते हैं।

- जब सीधे/सागरे देखती हैं तो एक object पर focus करती हैं।

- अधिकतर पक्षियों की आंखें fixed/stable होती हैं; अतः उन्हें देखने देव, सर घुमाना पड़ता है।

- कुछ पक्षी जैसे - चगगाड़, बाज, चील, गिह्र मानव से चार गुना अधिक दूरी तक देख सकते हैं।

पक्षी 8 mtrs. → मानव - 2 mtrs.

(4 गुना अधिक देखें)

visibility

→ जानवर, हराती तरह बहुत सारे रंगों को नहीं देख सकते।

→ दिन में जगने वाले जीव कुछ रंगों को ही देख सकते हैं।

→ रात में जगने वाले जानवर - केवल Black & White में (डाल्ड)

→ एक पक्षी द्वारा दोनों आंखें एक ही object पर focus केजे पर Distance का अनुमान लगा सकते हैं।

- अगर इसकी आंखों का focus को अलग-2 चीजों पर है, तो उनका Range of vision बढ़ा देता है।

* About sleep - (सोना)

→ द्विपक्षी - पूरे एक सौजन तक (Deep sleep) -

→ गाय - 4 घंटे

→ पायथन (बेजाल) - 18 घंटे

→ जिराफ - 2 घंटे

→ बिल्ली - 12 घंटे

→ हाथी - 2-4 घंटे

* Danger to animals →

→ Tiger अत्यधिक alert जानवर है, फिर भी, खतरे में है।

→ हाथी → दाँत के लिए

→ टाइगर, मगरमच्छ, सांप को उनकी skin / चमड़ी के लिए

→ गेंडा → सींग के लिए

→ कस्तूरी मृग → इत्र (Scent) के लिए

[Jim Corbett national park
Dehli, Bharatpur, Rajasthan]

→ कोई शिकार नहीं कर सकते
→ जंगल को हानि नहीं पहुँच सकते]

* साँप

- सपेरा को → कालबेरिया भी कहते हैं (snake charmers)
- नाग गुंफज → डिजाइन, पैरिंग जो नागों की shop व skin (सौराष्ट्र/rajasth / south india) ← जहाँ से लेते हैं, जिसमें ~~अन्य~~ रंगोली व कढ़ाई व अन्य सजावट की जाती है।
- सपेरा, साँप को उसके डंक से पहचान लेता है।
- सपेरे जंगलों में पाये जाने वाले कई पेड़ों/पौधों से दवाइयाँ बनाते हैं।
- साँप, जेलों के चूहों को खाने की वजह से, किसानों के लिए मददगार / सहायक लेते हैं।

* Food & Digesting:-

- आमाशय का तापमान 30°C
- Aids in stomach - जिसे खाना पचता है।
- इडीसा के कामाहांडी में सबसे अधिक चावल उत्पादन, other states में भी।
- कांच के जार लुबाना, ताकि moisture न लगे, अच्छा बरतन हो।
- milk (दूध) → Band में रखकर उसे एक पानी के अरे container में रख दें।
- बने चावल → गीले कपड़े में बांधकर
- हरा धनिया → उबालकर ~~खाने~~
- व्याप / लहसुन → dry / open place

बीज →

→ बीज बहुत बड़े यात्री होते हैं।

→ Tiny Hooks के द्वारा, Travel करते हैं / by water also.

* Every drop counts →

→ GHADISAR - एक जगह है, Jaisalmer में।
↳ 'झील'

→ यहाँ 9 झीलें थीं, जो interconnected थीं।

→ जलसंग्रह के वर्ष में 1 बार या एक बार भी वर्षा नहीं होती।

→ कुँड़े, सूखते व्योम जा रहे हैं? *

① - मोटर द्वारा, अत्यधिक प्रयोग

② - ऐसी सीमेंटें लिंगे वर्षाजल संग्रह होता था व खत हो गये हैं

③ - Trees के आसपास हमने Cement/concrete की लगी बना दी है।

→ जब Jodhpur में, 1986 में वर्षा नहीं हुयी →

बावली (Bawli) - सीढ़ीदार कुँआं

* दांडी यात्रा - गांधी जी - (1930) -

कारण ① आज लोगों को जगह नहीं लगाने देना ② अधिक Tax लगाना जगह पर

यात्रा → अहमदाबाद से दांडी (सागर के किनारे)

[आंदोलन था
जगह काबू के खिलाफ]

* मच्छरों से मुकाबला :-

- मलेरिया - बुखार, ठण्ड के साथ कंपन।
 - दवाइ → शैवाल प्री की शक्ल से बनता है।
 - आयरन गिल्ला है → गुड़, आवला और ही सब्जी।
 - मच्छियाँ → पेट (आमशय) संबंधी बीमारियों के कारक होते हैं।
 - अल्गी (Algae) - एक प्रकार का पौधा, जो कि मुख्यतः (काई) बरसात के मौसम में पैदा होता है।
 - रेनल रॉस → बैक्टीरिया जिन्होंने, मच्छर के पेट में साँककर देखा है। पहली बात
 - यह बताया कि मलेरिया मच्छर की वजह से होता है। इससे पूर्व लोग मलेरिया का कारण एक बुरी (प्रदूषित) हवा को मानते थे।
 - मलेरिया एक single celled parasite से होता है, जिसे - प्लास्मोडियम कहते हैं।
 - female anopheles mosquito - सफेद spots.
- अनीमिया → Normal in delhi school - [ब्लूग/पोषण की कमी से होने वाली बीमारी]
 - 17 Nov. 2007, दिल्ली के स्कूलों में बीमार हजारों बच्चों (MC.D.)
 - शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। वृद्धि/विकास रुक जाता है / Energy low / study ability
 - Health check ups हुए / बच्चों के Health cards बनने शुरू हुए
 - जागरण की दवाइयाँ दी जाती हैं।

मलेरिया की दवाई (मिन्कोना)

- पुराने समय में, श्वेत पेड़ की छाल/टहनी को पीसकर, एक दवाई बनायी जाती थी/है, for "malaria".
- टहनी को डबालकर उसका पानी पिलाया जाता था, जो अब दवाइयों के रूप में दिया जाता है।

* UP YOU GO →

एक नेता की विशेषतायें (mountain climbing)

- दूसरों का भार उठाने में मदद करे।
- group को साथे लेकर, हर एक last में जाए।
- जो नहीं चढ़ पाते, उनकी मदद करे।
- रुकने व आराम के लिए एक अच्छी जगह का चयन करे।
- जिन्हें दिक्कत है, उनका ध्यान दे।
- समूह हेतु खाने का पर्याप्त बंदोबस्त करे।
- अच्छा जगह पर दूसरों को बैडिट व कुछ जलत होने पर स्वयं की जिम्मेदारी ले।

→ **विटामिन व आयरन** हार्ने, सर्त में गर्म रखने में सहायक,

→ **टैकला गाँव** - 1600 mts. (सगरमाथा दून) से ऊपर राजस्थान में।

→ climbing करते समय Body का कोण 90° का होना चाहिए तथा, Body सीधी होनी चाहिए।

→ बेदन्ती वाल → 1st indian women, 5th in world.

→ Mount Everest - सागरमाथा - नेपाल में कहा जाता है।

→ गाँव → 'जाकुरी गाँव - गढवाल'

→ नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ म्यानेजियरिंग - उत्तरकाशी

→ गाइड - ब्रिगेडियर खान सिंह

→ 1984 में - बहेरी पाल को Mount Everest के लिए चुना गया।
[टीम - 18 सदस्य (4 महिलाएँ)]

→ 7300 मीटर की ऊँचाई पर बर्फ के तुफान से साजना करने के बाद भी हार नहीं मानी।

→ 23 मई 1984 को दोपहर 1 बजता 7 गिजट पर 8900 मी. की ऊँचाई पर पहुँची। (43 गिजट वली बहे)

* A shelter so high →

→ मुंबई सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है, अतः का,

(problem) → दिल्ली हेतु मुंबई ले → महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, U.P. —
 → दिल्ली हेतु मुंबई ले → महाराष्ट्र & गुजरात due to monsoon winds.

→ J & K. की roads उपजाऊ हैं; due to mountain.

- J & K. की roads डबड़खाल है, कच्चे 70 गाड़ियाँ दूध.
- लैंड-लगाव चहुँपने के लिए, J & K. से गुजरना पड़ता है।
- लैंड-लगाव चहुँपने के लिए, J & K. से गुजरना पड़ता है।

→ लैंड-लमाख चट्टानों के लिए, जहाँ पर खनिजों का प्रयोग होता है,
→ पर्वतीय क्षेत्रों में नायलॉन लैंड का प्रयोग होता है, Height पर
→ पर्वतीय क्षेत्रों में नायलॉन लैंड का प्रयोग होता है, BCC $\rightarrow$ बलु

→ पर्वतीय क्षेत्रों में नायलॉन रस्स का प्रयोग होता है।
→ लद्दाख को बड़ा रेगिस्तान } Height पर
 } बुल्क
 } Flat है

→ लद्दाख को ठंडा राज्य $\rightarrow$ Flat (plain)

→ लद्दाख के घर, लकड़ी के, कलान हलवाले व लकड़ी से ढके होते हैं।

→ मद्रास (M.P. में)

- मनाली (M.P. में)
- त्वराय में बहुत कम बरिश। वर्ष से ठीक पहाड़/ठंड/flat।
- शुष्कता की काल कोई भी पेड़ पौधा नहीं होते।

→ जूल - जूले → स्वागत - स्वागत

2 floors के Buildings.

- पत्थर के मकान, पत्थर एक के ऊपर एक।
 - गीले मिट्टी व नींबू (lime) की layer से थैला बनती है।
- घर के 1st floor में भूला भरा होता है।
- सीढ़ियाँ - लकड़ी की।
- निचला मंजिला - जानवरों के लिए व imp. चीजों को रखने के लिए।
 - जब ठंड बढ़ जाती है तो स्कॉट भी नीचे ही रहते हैं।
 - ground floor में windows नहीं होती हैं।
 - मोटी दीवारों के तने का प्रयोग - दूत बनाने हेतु।
 - लाल गिर्य, संतरी कदु, पीला भुआ, लहसुन में होते हैं।
- Summer season में - सब्जी व फलों को dry करके, winter के लिए रख दिया जाता है, जब ठंड के कारण उन्हें fresh fruits & सब्जी नहीं मिल पाते।
- लकड़ी की दूत व मोटी दीवार ठंड से बचने में सहायक।
- यहाँ संकुचित रहते, पक्षीले पहाड़ी सड़कें। और कहीं सड़की नहीं।
- चांगथांग → 5000 mts. - पक्षीले मैदान हैं वहाँ।
- बंडुत झंजे जगह पर सांस लेने में दिक्कत, सरदर्द, व कमजोर महसूस करते हैं। क्योंकि O_2 low।
- कोई petrol pump और मैकेनिक नहीं।
- चिंगा - जनजाति (Tnabe) - पहाड़ियों पर रहते हैं। ये 5000 के आसपास हैं - जंगल।
 - अपने बकरियों व भेड़ों के साथ अनुपम करते हैं।
- भेड़ बकरियों से ही → दूध, मांस, खान, छेद हेतु कपड़ा, ऊन, अन्य बिल जाता है।
- हर पक्षी अपने जानवरों का एक विशेष चिन्ह लगाता रहते हैं।

- जिस परिवार के पास अधिक भेड़-बकरी हैं, वह इतना अमीर होता है।
- इन्हीं, विशेष बकरियों से ही उन्हें पश्मीना शॉल हेतु ऊन प्राप्त होती है।
- यह जनजातीय लोग, ऊँचे व ठीसी जगहों पर ले जाते हैं, जिससे इनकी ऊन बहुत शुद्ध (ड्यू) व गर्मी देने वाली भी अधिक होती है।
- यह इन्हें बहुत ऊँचाई पर, कठिनाई में रखते हैं; क्योंकि जमेगी रह सकते हैं।
- जनजातीय लोग अपना सारा सामान, अपने घोड़ों व याकों पर ही लादे रखते हैं।
- इनके टैंड को → 'रेबो' कहते हैं।
- इनके याकों के बालों को बुजकट ~~एक~~ शरीर में एक ऊपर ~~type~~ का बन जाता है, जो उन्हें protect करता है ठंड से।
- ठंड में - 0°C से नीचे तापमान व 70 km/h हवा चलती है।
- चंगपा की आबा में - चोंगथोंग का अर्थ → जहाँ बहुत कम लोग रहते हैं।
- श्रीनगर में अलग-2 तरह के घर, कुछ पहाड़ी पर कुछ, पानी में।
- कश्मीर में हर गली में बैकरी की shop मिल जाती है, क्योंकि ये लोग बैकरी खरीदते नहीं बल्कि बैकरी से खरीदते हैं।
- अलग-2 तरह के आवास → ① पहाड़ों पर
 ② कुछ लकड़ी की डिजाइन व पत्थरों से बने ③ पानी पर
 ④ कुछ गतिशील आवास होते हैं, जो move कर सकते हैं।
- जहाँ, चंगपा लोग अपनी भेड़ों को रखते हैं, → 'लेखा' (यह पत्थरों की पीठों से बनता है) ←
- भेड़ों को चराने ले जाने से पूर्व व बाद में घर की औरतों व लड़कियों द्वारा गिना जाता है।
- लद्दाख से श्रीनगर जाते हुए, बीच में कारगिल पड़ता है।

परमीन शॉल → दिखने में पतला ,

(*)

- हमारे एक बाल की मोटाई - बकरी के 6 बाल बराबर ।
- 6 स्टेटरों के बराबर , एक शॉल गर्मी देती है ।
- इतने पतले बालों से मशीन में नहीं बुना जा सकता इसलिए वे स्वयं ही अपने हाथों से बुनते हैं , जिसे 250 घंटे लगते हैं ।

* श्रीनगर के घर :-

① - Houseboat → 80-90 feet long / 8-9 feet wide -

② - Dongra → ऊँचा शीत व शीत में पाये जाते हैं ।
ऊँचा से ऊँचा - 2 कमरे होते हैं ।

Houseboat , की लकड़ी पर सुंदर carving देखने को मिलती है , जिसे - खतमखंद कहते हैं ।
Jigsaw Puzzle की तरह दिखता है ।

→ कश्मीर के गांवों में - पत्थरों के टुकड़ों से , एक के ऊपर एक रखकर , घर बनाते हैं , तथा गीली कीचड़ से लेपाई भी । लकड़ी का भी प्रयोग किया जाता है , साथ ही दूत इलाक़ वाला ।

→ कुछ पुराने घरों में एक विशेष खिड़की होती है , जो दीवार से बाहर आया होता है , जिसे 'दब (dab)' कहते हैं । इसपर भी लकड़ी पर पैटर्न कुंद होता है ।

→ पुराने घर , पत्थर , ईंट व लकड़ी से बने हैं , तथा दकुवाजों व खिड़कियों पर सुंदर 'मैहराब' बने हैं ।

* क्रॉस की वीक (Across the wall)

- नागपाडा व अफसाना गंधूरी बास्केटबॉल टीम → मुंबई में है।
- विक्टोरिया टर्मिनल स्टेशन - मुंबई (Railway stations) -
- शोलापुर - मुंबई
- वाद-विवाद (Discussion) चर्चा के द्वारा लैंगिक भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। - लड़कों-लड़कियों के लिए समान खेल व समाज मौके।
- चर्चा → players को ability के आधार पर देखना, न कि class, caste या economic status के आधार पर।
- बच्चू खान playground is in mumbai, एक coach के नाम पर पड़ा → 'मुस्तफा खान'।

* बीज की लड़ाई / लिफाग की कतानी।

- बंगाल → गुजरात
- पुराने समय में बीजों को सुरक्षित रखने हेतु लोकी के कवर को जिही से लपेटा रह दिया जाता था
- नीम की पत्ती, कीड़े से बीज को बचाते हैं।
- 'ऊँधीया' → एक लकड़ी जिसको, पॉल को उल्टा लटकाना, कोयलों पर रखकर जला दिया जाता है।
- गुजराती में - "उल्टा लटकाना"
- इसे - बाजरे की रोटी, मक्खन, दही व दाल के साथ खाते हैं।
- कोवेन → एक पौधा, signal देता है, कि जमीन सूख गयी है।
- केंपुर - लिफाग की मित्र

* लिस्के जंगल →

- "कुडुक" - आदिवासी लोगों की एक जमाती है, जो झारखण्ड में
- आज जंगल का ले रहे हैं → उनकी जगह, खनन, डैम बन रहे हैं।
- 'तेरांग' - का अर्थ 'जंगल' - कुडुक Lang. में।
- Right to forest Act - 2007 - का 25 साल से अधिक समय से लिस्के जंगल में है, वे वहीं रह सकते हैं, वह उनकी का है। उन्हें वहाँ से हटाया नहीं जा सकता।
- उनकी सुरक्षा का कर्तव्य, वहाँ की ग्राम सभा का है

→ सूर्यमणि :- एक शरणी घटना, एक (गैल स्टार), ordinary girls की extraordinary कहानियों को govt. द्वारा सुनाया जा सकता है।

→ रूक टीन जमीन - रूक टीन वॉश जिले जमीन पर लाया गया सी

→ सूर्य खेती → Cycle में कसके उगाया। (मिजोरम)

→ मिजोरम की मुख्य फसल → चावल

→ फसल के पकने पर ल्योहार व 'डॉस' व 'चराओ'

→ मिजोरम में लॉटरी के तहत शाशा जमीन को,

बारी बारी से लोगों को खेती के लिए दे जाती है।

* किसकी इलाक ? किसकी दाय ? →

→ कुछ गुण हम वंशानुक्रम रूप से प्राप्त करते हैं, तथा कुछ कुछ कॉशिल अपने पर्यावरण से

→ पोलियो वंशानुगत बीमारी नहीं है। यह वायरसजनित है।

→ Dr. को कक्षा में बुलाया जा सकता है। Community Resource।

→ ग्रेगोर मैण्डल - जन्म 1822 - ऑस्ट्रिया में (वंशानुक्रम का पता लगाया)
'पात सालोंतक' 28000 पौधों पर Experiment किए।

→ मटर के पौधों में कुछ गुण, उनके pairs, से होते हैं।
जैसे मटर का एक बीज या तो चिकना / गुरफरा होगा।

→ पढ़ाई से Interested थे, तथा Exams, से डरते थे।

→ मठ में रहकर Experiment किए।

* On the move again :-

→ गन्ने की फसल हेतु, अधिक पानी की आवश्यकता होती है।

→ पूरनपोली, (मीठी रोटी जो गूड़-चने से बनती है) यह, लीची कढ़ी के साथ खाया जाता है।

→ कैरावैन, यह एक वाहन है, जिसमें लम्बी रहने की सुविधाएं होती हैं, शौचालय, रसोई, रहने का कमरा आदि।

→ चूलों की जरूरत कमजोर होती है अगर, सूखने, टच व स्वाद की संवेदनशीलता अत्यधिक होती है।

→ नागपुर में, काल में मीठा (शुगर) जमाकर आया जाता है।

→ नृत्य करते समय, हाथ व चेहरे का प्रयोग - feeling conveying करने हेतु किया जाता है। इन्हें मुद्रा (हाथ) भाव (चेहरे) कहा जाता है।

- उल्लू, अपनी गर्दन को, काफी हद तक पीछे घुमा सकता है।
- एक पक्षी के पंख, उड़ने के ताब-2, इन्हें सर्प से बचाने में भी मदद करते हैं।
- खूब ही समय-2 पर उनके पंख गिरते रहते हैं, नये पंख उगते रहते हैं।

* ब्रेल लिपि → दृष्टि लाक्षितों के अध्ययन हेतु।

→ एक paper पर उभरे हुए points को touch करके पढ़ा जाते हैं।

→ लुइस ब्रेल (फ्रांस), बच्चे पिला को जाग के डोंकारों से खेलते जबल, आंखें चली गयीं।

→ पढ़ने के शॉक से चलते, 'Braille script' को तैयार किया

→ यह लिपि, 6 points पर आधारित होती है, तथा computer को इस्तेमाल करके भी लिखा जा सकता है।

* शुरुआत के छोड़े मिट्टी व पत्थरों से बनाये जाते थे।

- पत्थर के छोड़े, खुदाई व carving करके, हाथ से बनाये जाते थे।
- केहवा (पाथ) की बादाग व इलाक़ी को इस्तेमाल करके, भींगार में बनायी जाती है, ठंड से बचाने हेतु।
- प्ला शील, भींगार में है।

- * 10
- Tourists (ग्राही) 'शिकाग' की Ride को enjoy करते हैं, देख सकते हैं;
 - चिड़िया उन कीड़ों को खा जाती हैं; जो फलों को खराब कर देते हैं;
 - बज्जू गाँव → राजस्थान में है।
 - मानचित्रों पर बने चिह्न/प्रतीक बच्चों को उसे समझने में मदद करते हैं।
 - बच्चों को; पानी बचाने की आवश्यकता को लेकर, उसके पुनः उपयोग पर चर्चा केला।

- * होंगकांग :- सांपों को खाया जाता है।
- famous shake - 'किंग हु-केन', ओलिव (सांप के मांस से)
 - कश्मीर - (शील की मदली) - संरलों के तेल से बनी।
 - गोवा - (मदली) - तालियन के तेल से बनी।
 - केरल - तेपिओका :- जमीन के नीचे डगला है, जिसे जलियन का use करके करी के साथ खाते हैं।

- * To make a Tank OR a Tanker →
- टांका बनाने के लिए, जमीन पर गदग खोदकर, पक्का कर लेते हैं।
 - एक छक्का से ढक देते हैं।
 - घर की छलान वाली दत से Pipe जोड़कर टांका तब पहुँचा दिया जाता है। Pipe के मुँह पर लम्बी लगाये ताकि, टंकी में कुड़ा न जाए।
 - यह पानी, पीने हेतु भी, प्रयोग किया जा सकता है, जब इसे, साफ कर दिया गया हो।

PEDAGOGY OF EVS.

- बच्चों की वर्गीकरण सिखाने के लिए, चीजों को categorise करना सिखाना आवश्यक है।
- बच्चों को अपने पर्यावरण/आसपास से स्मृतियों को एकत्र करने के लिए प्रेरित करना।
- बच्चों को प्रकृति की अवलोकित करने का अवसर - सक्रिय भागीदारी।
- कक्षागत कार्यों को बाहरी संसार से जोड़ना आवश्यक है।
- बच्चों की सश्रु में कार्य करने हेतु प्रेरित करें। यह उन्हें विविधता सीखने में मदद करेगा। (Peer learning) -
- कहानियाँ सुनने के लिए उन्हें प्रेरित करना।
- बच्चों की रचनात्मकता को निखारने के लिए, कला व शिल्प जैसे क्रियाकलापों को बढ़ावा देना।
- उन्हें कुछ कार्य भी दिया जा सकता है, जैसे कुछ Drawing करने या अलोकन करने हेतु।
- बच्चों को स्वयं की अवलोकित करने का मौका दिया जाए, या पौधों, जानवरों को वर्गीकृत करने का मौका दिया जाए।
- उन्हें कहानी/कविता सुनाने हेतु कहा जा सकता है, परंतु याद रखने/रहना लगाने हेतु नहीं कहा जाना चाहिए।
- सांयुदायिक संसाधन - जैसे डॉक्टर, किसान, सफाईकर्मी, Grandparents को विद्यालय में बुलाकर Real life Example के द्वारा चीजों को बताया जा सकता है।
- बच्चों को पौधों के प्रति या पर्यावरण के प्रति संवेदना देने के लिए, पेड़ों को गिर बताने व उन्हें स्वयं जल/खाद देने व रखा करने हेतु प्रेरित किया जा सकता है।

- शिष्ट बच्चों को उनकी मातृभाषा संबंधी, जल, पौधे व अन्य चीजों पर गाये जाने वाले गाने आदि गाने हेतु प्रेरित करें।
- सामाजिक प्रभाव (जाति, लिंग) के प्रति बच्चों को उनके घर पर संवेदनशील बनाया जाना आवश्यक।
- बच्चों को अवलोकन करने व प्रश्न करने के लिए मौके दें।
- कुछ चीजों को स्पष्ट करने हेतु, बातचीत / Discussions किया जा सकता है।
- बच्चों के श्रेणीय रूप से उपलब्ध संसाधनों व सामग्रियों को उपयोग करने हेतु प्रेरित करें।
- इस तरह के तरीके / applications/games, को choose करें जिससे वे स्वयं को संतुष्ट कर पायें जैसे - खेल आदि।
- (Individual difference) - सभी की अलग-2 व्यक्तिगत विभिन्नताएं।
- चीजों को बच्चों के स्वयं के अनुभवों से जोड़ लें ताकि वे अधिक संवेदनशील हो सकें।
- उन्हें स्वयं को express करने हेतु मौके दिए जाएं।
- बच्चों को रचनात्मकता हेतु जरूर मौके जैसे - origami, finger paintings, art & craft दिए जाएं।
- बच्चों को पक्षियों / जीवों / पौधों की विशेषताएं बता दें, चाहे उन्हें नाम याद न भी हों।
- किसी भी चीज को good/bad के बीच बत-बिबाद के लिए, discussion कराया जा सकता है।
- ईधन के पुत्राव, जल, पर्यावरण, आदि पर समाचारपत्रों की Reports के माध्यम से, बातचीत (Discussion) कराया जा सकता है।

→ कक्षा की बातचीत Conversation में बच्चों के अनुभवों को शामिल किया जाना चाहिए।

→ उन्हें Real life examples दें।

→ एक कहानी को पढ़ाने का बेहतर तरीका - Role play हो सकता है (जैकब मॉरेन)
इससे Creativity भी आयेगी।

→ उन्हें ऐसी activities के मौके दें, जिन्हें वे स्वयं करके सीख लें।

→ उन्हें एक दूसरे को मदद करने / सहयोग करने के अवसर दें।

→ लिंग भेद, तकनीक, Business related gender issue, तथा
जैसे के प्रति संवेदन हेतु - बातचीत Discussions।

→ पक्षियों को अवलोकन करने हेतु, नज़दीक से देख पायें। इसके
लिए बच्चों के साथ, Bird bath बनाने में Help कर सकें।

→ पानी संरक्षित करने के local विधियों के experience बच्चों से
कक्षा में साझा करने को कहें।

→ पर्यावरण में सभी चीज़ें interdependent हैं।

→ बच्चों को प्रोत्साहित करें कि बच्चे एक map के अंश, States, दिशा, Boundaries, दूरी, को समझें व
locate कर पायें।

→ बच्चों से जीवों के विषय में अपने Parents से जानने को कहें।
और इस बात को जानने हेतु भी कि कुछ जीवों की
संख्या कैसे लगातार कम हो रही है।

→ वाद-विवाद, बच्चों को एक विषय को कई तरह से
देखने हेतु प्रेरित करता है।

→ रेलवे टाइम टेबल → को कैसे Read किया जा सकता है 4th format.
- इसका प्रयोग कई क्रियाकलाप के द्वारा भूगोल व जाति पढ़ाने
की integrated approach का use किया जा सकता है।

→ खेलों से सीख - जीवन हेतु नियंत्रण बनाना

- सहयोग
- पकड़ नहीं
- सहानुभूति
- अनुशासन

→ फूलों का अवलोकन - वर्गीकरण, जागरूकता, ध्यान।

- प्रकार के पंखुड़ी
- रंग
- उनकी शक्ति
- बचपन से या नहीं।

→ Visit या सा. संसाधन - के द्वारा Construction site पर रह रहे लोगों के विषय में जानकारी प्राप्त करें।

→ पर्यावरण, परिवार संरचना, तापमान, स्थानों, गांवों, तकनीक में परिवर्तन पर बातचीत।

→ गिनकर खाने की आवश्यकता है। Event organise, (Comm. lunch) for Respect, diversity, विविधता अपेक्षा करें।

→ कई मुद्दों के लिये - Drinking, घरों में सगड़े, पर बच्चों को उनके हल बताने को कहें या उसपर chart, या poster भी बनावे जा सकते हैं।

→ Classroom में, हर तरह की diversity को Resource माना जा सकता है।
[like - भाषा, खाना, रंग, लिंग, जाति, धर्म] आदि जाना चाहिए।

→ कक्षा में प्रदर्शन करने व वर्गीकरण हेतु Tables का उपयोग करें।

→ अपने बड़ों से पुराने समय के विषय में कहें, ताकि इतिहास के प्रति ज्ञान/समझ बनता है।

③
→ इतिहास के विभिन्न स्रोतों के विषय में बातचीत करें - जैसे - maps, चित्र, अवशेष, किताबें, रिकॉर्ड्स, आदि।

→ श्रेणियों पर होने वाली गलतियों की ग्राफ को किस प्रकार कम किया जा सकता है, इसपर बच्चों से सम्भावित पूछें व बातचीत हो। - छात्राचार्य Reports भी देखें।

→ 'Percentage' जैसे शब्दों को प्रयोग करने हेतु बच्चों को प्रोत्साहित किया जाए ताकि, marks, खेती जीतने की chance कितना है?, Discount, sale आदि को समझने हेतु।

→ Temperature, को Daily newspapers से बताया जा सकता है।

→ Earthquake, से लिए, चर्चा / बातचीत, किया जा सकता है इसके प्रभाव व बचाव उपकरण के द्वारा।

→ दुर्घटना / किंग अफ जैसे मुद्दों को, संवेदनशील बनाने हेतु, चर्चा / वाद विवाद / newspaper / recent event के द्वारा / अनुभवों आदि के द्वारा किया जा सकता है।

→ अनुभव - games for girls & boys
share करना - team work -

→ Debate - यानी हर बात के दोनों ही aspects पर चर्चा हो ताकि, सक्रिय आधिवास हो सके।

- उनों के प्रति संवेदनशीलता हेतु, चर्चा व कल्पना ।
- बच्चों की समस्या सुनते हुए, - शिक्षक संवेदनशील होना चाहिए ।
- प्रवास वाले परिवार, के बच्चों के लिए, विशेष व्यवस्था, विद्यालय द्वारा की जानी आवश्यक, ताकि वे लगातार स्कूल से जुड़े रहें व गुपथ न हों ।